

यमुना अथारिटी की बोर्ड बैठक में 100 अरब का बजट पास

जेवर एयरपोर्ट, एक्सप्रेसवे और रैपिड मेट्रो पर खर्च बढ़ाया, भूमि आवंतन के जरिए 7635 करोड़ रुपये की आय होगी

पायनियर समाचार सेवा | नोएडा



मंगलवार को यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथारिटी की 80वीं बोर्ड बैठक चेयरमैन अनिल सागर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बोर्ड बैठक में यमुना प्राधिकरण का बजट पास किया गया है।

यमुना अथारिटी ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा बजट पेश किया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्राधिकरण ने 9992 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। जिसमें प्राधिकरण 9957 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण, इंस्ट्राक्ट्रॉन डेवलपमेंट, अखबन डेवलपमेंट, रस्ते डेवलपमेंट और जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई, अंडे पर खर्च करेगा।

बजट के बारे में यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरुणवीर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में विस्तार से जानकारी दी है। यमुना अथारिटी के सीईओ डॉक्टर रघुवर सिंह ने बताया कि अगले वित्त वर्ष के दौरान विकास प्राधिकरण 9992.24 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण, इंस्ट्राक्ट्रॉन डेवलपमेंट, अखबन डेवलपमेंट, रस्ते डेवलपमेंट और जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई, अंडे पर खर्च करेगा।

बजट के बारे में यमुना प्राधिकरण के



यमुना एक्सप्रेसवे अथारिटी की 80वीं बोर्ड बैठक चेयरमैन अनिल सागर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

अगले वित्त वर्ष के लिए 9992.24 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान पारित किए गए हैं। यमुना अथारिटी के सीईओ ने बताया कि अगले वित्त वर्ष के दौरान विकास प्राधिकरण 9992.24 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण, इंस्ट्राक्ट्रॉन डेवलपमेंट, अखबन डेवलपमेंट, रस्ते डेवलपमेंट और जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई, अंडे पर खर्च करेगा।

बजट के बारे में यमुना प्राधिकरण के

अथारिटी अर्जित करेगी। डॉक्टर अरुणवीर सिंह ने बताया कि बजट में 9957.21 करोड़ रुपये के बाय प्रस्ताव पारित किए गए हैं। प्राधिकरण 655 करोड़ रुपये वापस लौटाएगा। भूखंड अवारिटी की परिसंपत्तियों के संदर्भ और अलाउटमेंट कैरियरिंसलान होने के कारण 10.75 करोड़ रुपये वापस लौटाएं जाएंगे। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में नए औद्योगिक और आवासीय सेक्टरों का विकास किया जा रहा है।

इसके लिए 1948.55 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। चालू वित्त वर्ष के सापेक्ष आगे वित्त वर्ष में विकास और नियांण कार्यों पर खर्च किया जाएगा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के जेवर इलाके में एशिया का दूसरा सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा नोएडा इंस्ट्राक्ट्रॉन एपरेटर द्वारा जारी कराया गया है। इन्हें दूसरे फेज पर काम शुरू होगा। हाईअंड्डा परियोगीया में यमुना प्राधिकरण 17.5 प्रतिशत का हिस्सेदार है। इस बजट में जेवर एयरपोर्ट से जुड़ा प्रत्यावर पेश किया गया। डॉक्टर अरुणवीर सिंह ने बताया कि अगले वित्त वर्ष के दौरान यमुना प्राधिकरण के हिस्सेदार है। इस बजट में जेवर एयरपोर्ट से जुड़ा प्रत्यावर पेश किया गया। डॉक्टर अरुणवीर

सिंह ने बताया कि अगले वित्त वर्ष के लिए प्राधिकरण

एडवांस और लोन लेगा। सीईओ ने बताया कि अगले वित्त वर्ष के लिए प्राधिकरण

1650 करोड़ रुपये अग्रिम और त्रैवर्ष लेने का

प्रस्ताव पारित किया गया है। इस तरह अगले

वित्त वर्ष के दौरान 9992.24 करोड़ रुपये

का पूरा जोर भूमि अधिग्रहण पर रहेगा। भूमि अधिग्रहण प्रस्तावों को बोर्ड के सम्में पेश किया गया। जिसके लिए 6063 करोड़ रुपये के जरूरी होगी। बोर्ड ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी ही है।

मंत्रवाल, अगले वित्त वर्ष के दौरान यमुना प्राधिकरण कार्यों को कराया जाएगा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में नए औद्योगिक और आवासीय सेक्टरों का विकास किया जा रहा है।

आगर चालू वित्त वर्ष के सापेक्ष तुलना

की जाए तो 227 प्रतिशत अधिक पैसा भूमि

अधिग्रहण पर खर्च किया जाएगा। यमुना

प्राधिकरण क्षेत्र के जेवर इलाके में एशिया का

दूसरा सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा नोएडा

इंस्ट्राक्ट्रॉन एपरेटर को जारी करा रहा है। इन्हें दूसरे फेज पर काम शुरू होगा। हाईअंड्डा परियोगीया में यमुना प्राधिकरण 17.5 प्रतिशत का हिस्सेदार है। इस बजट में जेवर एयरपोर्ट से जुड़ा प्रत्यावर पेश किया गया। डॉक्टर अरुणवीर

सिंह ने बताया कि अगले वित्त वर्ष के दौरान 9992.24 करोड़ रुपये

के लिए प्राधिकरण

एडवांस और लोन लेगा। अगले साल के

दौरान मूर्त रुप लेगी। ऐसे में यमुना प्राधिकरण

का प्रतिशत जारी करने की जारी

सुनिश्चित होगी।

सुनिश्चित होगी

डोभाल ने नेतृत्व से गाजा में युद्ध, मानवीय सहायता पर चर्चा की

भाषा | यूरशलम

राष्ट्रीय सुखा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतृत्वाहू से मुलाकात कर भीषण खाद्य संकट से ज़दू रहे गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति की समस्या को सुलझाने की तलात आवश्यकता और क्षेत्रीय घटनाक्रम पर चर्चा की।

इजराइल के प्रधानमंत्री के आधिकारिक हैंडल से एक्स पर साझा की गई पोस्ट में लिखा गया, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतृत्वाहू ने भारतीय राष्ट्रीय सुखा सलाहकार अंतीम डोभाल को जनरल सुलात की ओर उन्हें गाजा पट्टी में जारी युद्ध से ज़डे हालिया घटनाक्रम की जानकारी दी। हमास के नेतृत्व वाले आंतकवादियों ने दिखायी इजराइल पर सात अक्टूबर को हमला कर दिया था जिसमें करीब 1,200 लोगों की मौत हो गई थी और उनमें 250 लोगों को बंधक बना लिया था। हमास की कैद में अब भी करीब 100 बंधकों को होने का अनुमान है।

हमास के हमले के बाद इजराइल ने भी जावाही कार्बाई की जिसके कारण दैदा हुआ मानवीय संघर्ष के बाद गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने



इजराइल के हमलों में 30,000 से अधिक फलस्तीनियों के मारे जाने का अनुमान है।

नेतृत्वाहू ने कहा, लोगों पक्षों ने बंधकों को छुड़ाने के प्रयास और मानवीय सहायता के मुद्रे पर भी चर्चा की।

इजराइल-हमास संघर्ष के कारण

कहा है कि गाजा पट्टी में कम से कम 5,76,000 लोग यानी कुल आबादी का एक-चौथाई हिस्सा खाद्य संकट से ज़दू रहा है।

डोभाल ने अपने इजराइली समकक्ष तज़ावी हानेव्ही से भी मुलाकात की, जो नेतृत्वाहू के साथ उनकी बैठक के दैरें भी मोजूद थे।

प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी संयुक्त अबर अमरात, कतर, सऊदी अबर,

मिस्र और जॉर्जिन जैसे क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में बने हुए हैं और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए, चर्चा में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

भारत ने गाजा में फलस्तीनी आबादी को जरूरी वस्तुओं की खेप भेजकर आवश्यक मानवीय सहायता प्रदान करने के प्रयासों में मदद की।

प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी संयुक्त

गहराता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी संयुक्त

अबर अमरात, कतर, सऊदी अबर,

टमजान की शुरुआत के बीच गाजा में कम से कम 67 फलस्तीनियों की मौत

एपी | रफ

गाजा में रमजान के अवसर पर युद्ध विश्वास की धराशाई हुई उम्मीदों के बीच चिढ़े 24 घंटे में इजराइली हमलों के कारण मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है।

अमेरिका, कतर और अबर मिस्र को उम्मीद थी कि रमजान से पहले युद्ध विश्वास समझौते हो जाएगा जिसके तहत इजराइली बंधकों और आवश्यकता की अदला-बदली संभव हो सकेगी और गाजा में मानवीय भवद पहुंचाई जा सकेगी, लेकिन इस समझौते को लेकर वार्ता चिढ़े रही है।

युद्ध समाप्त होने के कोई आसान नज़र नहीं आने के बीच, गाजा में

फलस्तीनियों ने सोमवार से रमजान का महीना शुरू होने पर रोजा खेला शुरू किया। फलस्तीन में इजराइली हमलों के कारण मानवीय संकट

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में मारे गए 67 लोगों के शव पिछले 24 घंटों में अस्पतालों में लाए गए और इसी के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से मारे गए फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 31,112 से अधिक हो गई है।

मंत्रालय अपनी गणना में यह नहीं बताता कि किन्तु आम नागरिक मारे गए हैं और किन्तु लड़कों की मौत हुई है, लेकिन उसने बताया कि मृतकों में दो-तिहाई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

हमास के नेतृत्व वाले आंतकवादियों ने दिखायी इजराइल पर सात अक्टूबर, 2023 को हमला कर दिया था जिसमें करीब 1,200 लोगों की मौत हो गई थी और उसने 250 लोगों को बंधक बना लिया था।

हमास के नेतृत्व वाले आंतकवादियों ने युद्ध के दौरान भी जरूरी वस्तुओं की अनुमान है।

मंत्रालय अपनी गणना में यह नहीं बताता कि किन्तु आम नागरिक मारे गए हैं और किन्तु लड़कों की मौत हुई है, लेकिन उसने बताया कि मृतकों में दो-तिहाई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

इस युद्ध के कारण गाजा के 23 साल लोगों में से लगभग 80 प्रतिशत बेघर हो गए हैं।

मोहम्मद इशाक डार पाकिस्तान के नए विदेश मंत्री

भाषा | इस्लामाबाद

विश्व राजनेता और अर्थसांस्कृति इशाक डार ने मंगलवार को पाकिस्तान के नए विदेश मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिकारी प्रभार भारत और अन्य पार्टीसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित धूम्रू और बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने मैट्रिकेंडल में 19 सदस्यों को शामिल करते हुए चुनाव के बाद से ज़रीन लंबे इंजाजों को समाप्त करता है। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी और अपार्टमेंट के साथ अपनी बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

इशाक डार पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (पीएमएल-एन) के विश्वास नहीं है। मूल रूप से क्षेत्रीय डार सनदी लेखाकार (सीए) है। वह पार्टी प्रमुख और तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ के बावजूद विश्वास के बावजूद है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने

एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मोहम्मद इशाक डार ने औपचारिक रूप से पाकिस्तान के 39वें विदेश मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिकारी प्रभार भारत और अन्य पार्टीसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित धूम्रू और बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिकारी प्रभार भारत और अन्य पार्टीसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित धूम्रू और बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिकारी प्रभार भारत और अन्य पार्टीसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित धूम्रू और बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिकारी प्रभार भारत और अन्य पार्टीसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित धूम्रू और बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिकारी प्रभार भारत और अन्य पार्टीसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित धूम्रू और बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिकारी प्रभार भारत और अन्य पार्टीसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित धूम्रू और बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिकारी प्रभार भारत और अन्य पार्टीसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित धूम्रू और बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिकारी प्रभार भारत और अन्य पार्टीसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित धूम्रू और बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिकारी प्रभार भारत और अन्य पार्टीसियों के साथ अपने संबंधों को सुधारने सहित धूम्रू और बाहरी मोर्चों पर अनिवार्य समस्याओं से पार पार के प्रयास कर रही है।

विदेश मामलों के प्रबंधन के कम अनुभव के बावजूद 73 वर्षीय इशाक डार ने विदेशमंत्री का अधिक

